

# बॉर्डर न्यूज मिरर


“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्ष: 6 ,अंक:133, गुरुवार , 22 मई 2025

मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8


9471060219, 9470050309

www. bordernewsmirror@gmail.com



डीआईजी ने भद्र आचरण के आरोप में रक्सौल थानाध्यक्ष को किया निलंबित

03



शिकायतों का ससमय थानाध्यक्ष करें समाधान, अन्यथा होगी कार्रवाई - एसपी

04

राशा ने अपने टैलेंट और ग्रेस से खींचा सबका ध्यान

07



## सुप्रीम कोर्ट ने खत्म की 20 साल पुरानी व्यवस्था

- जज बनने के लिए अब 3 साल का वकालत का अनुभव जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में न्यायिक सेवाओं में प्रवेश की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए लॉ ग्रेजुएट्स को एंट्री-लेवल जज की परीक्षा में बैठने की अनुमति देने की 20 साल पुरानी परंपरा को समाप्त कर दिया है। अब केवल वही उम्मीदवार प्रथम श्रेणी न्यायिक अधिकारी पदों के लिए पात्र होंगे, जिन्होंने कम से कम तीन वर्षों के लिए



वकालत की है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति एजी मसीह और के विनोद चंद्रन की पीठ ने यह फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने इस निर्णय में कहा, न्यायिक अधिकारी नियुक्ति के पहले दिन से ही नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता, संपत्ति और प्रतिष्ठा से जुड़े गंभीर मामलों से निपटते हैं। केवल किताबों से प्राप्त ज्ञान या नौकरी से पूर्व की ट्रेनिंग कोर्ट में मिलने वाले प्रत्यक्ष अनुभव की जगह नहीं ले सकते। पीठ ने माना कि पिछले दो दशकों में सीधे स्नातक छात्रों को भर्ती से कई व्यावहारिक और प्रशासनिक समस्याएं पैदा हुई हैं। इन नए नियुक्त अफसरों में अनुशासन और व्यवहार की समस्याएं देखी गईं।

## भारत की बानू मुश्ताक को मिला इंटरनेशनल बुकर प्राइज

नई दिल्ली/लंदन (एजेंसी)। भारतीय लेखिका, वकील और एक्टिविस्ट बानू मुश्ताक ने अपनी किताब हार्ट लैप के लिए इंटरनेशनल बुकर प्राइज जीता है। हार्ट लैप कन्नड़ भाषा में लिखी पहली किताब है, जिसे बुकर प्राइज मिला है। दीपा भभी ने इसे अंग्रेजी में ट्रांसलेट किया है। बुकर प्राइज के लिए हार्ट लैप को दुनियाभर की छह किताबों में से चुना गया। यह अवॉर्ड पाने वाला पहला लघु कथा संग्रह (शॉर्ट स्टोरी कलेक्शन) है। दीपा भभी इस किताब के लिए अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय ट्रांसलेटर हैं। बानू मुश्ताक और दीपा भभी ने मंगलवार को लंदन के टेट मॉडर्न में हुए कार्यक्रम में अवॉर्ड रिसीव किया। दोनों को 50,000 पाउंड (52.95 लाख रुपये) की पुरस्कार राशि भी मिली है, जो लेखक और ट्रांसलेटर के बीच बराबर-बराबर बांटी जाती है। हार्ट लैप में दक्षिण भारतीय महिलाओं की मुश्किल जिंदगी की कहानियां बानू मुश्ताक ने हार्ट लैप किताब में मुस्लिम महिलाओं की कठिनाइयों को मार्मिक ढंग से दर्शाया है।

## फरीदकोट में खालिस्तानी आतंकी डल्ला के 2 साथी को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। फरीदकोट में जिला पुलिस और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने संयुक्त अभियान के दौरान खालिस्तानी आतंकवादी अर्श डल्ला के दो साथियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने साझा की है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा- आरोपियों के पास से दो .30 बोर की पिस्तौल और 6 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। जल्द ही पुलिस आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने कहा- एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पंजाब ने फरीदकोट पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में विदेशी गैंगस्टर अर्श डल्ला के दो साथियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान फरीदकोट निवासी विशाल सिंह और ओंकार सिंह के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ पंजाब के विभिन्न थानों में कई एफआईआर दर्ज हैं। डीजीपी यादव ने आगे कहा- प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि विशाल सिंह हाल ही में जमानत पर रिहा हुआ था। आरोपी अपने प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्य को खत्म करने की सक्रिय रूप से योजना बना रहा है। वह अपने विदेशी संचालकों के साथ लगातार संपर्क में थे। पंजाब में एक सनसनीखेज अपराध को अंजाम देने के लिए निर्देशों का इंतजार कर रहा है। इससे पहले ही पंजाब पुलिस की टीमों ने गुप्त सूचना के आधार पर उक्त आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और वारदात में इस्तेमाल किए जाने वाले हथियारों को बरामद कर लिया गया। अन्य सहयोगियों की पहचान करने और कैचवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज स्थापित करने के लिए आगे की जांच चल रही है।

## गंगा नदी को इंटरनेशनल मार्गों से जोड़ेगा मोदी का है यह प्रोजेक्ट

- बिहार में जल्द शुरू होगी वॉटर मेट्रो, राजधानी पटना से शुरुआत
- किराया भी होगा कम, गंगा के साथ अन्य जलमार्गों को भी जोड़ेगा

पटना (एजेंसी)। बिहार में जल्द ही वॉटर मेट्रो शुरू होने वाली है। ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक खास ड्रीम प्रोजेक्ट है, जो बिहार में गंगा नदी को नेशनल और इंटरनेशनल जलमार्गों से जोड़ने वाला है। इस प्रोजेक्ट से बिहार के लोगों को सड़क पर ट्रैफिक की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। इस साल अगस्त में पटना मेट्रो के पहले चरण का संचालन शुरू होगा। उसके बाद वॉटर मेट्रो चलाने की तैयारी होगी। ये वॉटर मेट्रो उत्तर बिहार को पटना मेट्रो के स्टेशन से जोड़ने वाली है। इससे न केवल योजना सफर करने वाले लोगों के लिए आसान होगी, बल्कि पर्यटकों को भी काफी फायदा होगा। इसके लिए केरल की कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड की तीन अधिकारी पटना आए थे। उन्होंने चार दिन तक इस योजना पर काम किया और गंगा नदी के कई हिस्सों का सर्वे किया। चलिए आपको बताते हैं



आखिर क्या रहेगा वॉटर मेट्रो का किराया। सरकारी टीम ने कई जगहों का अध्ययन किया है, जिनमें उत्तर भारत के गंडक, सोनपुर, हाजीपुर,

कोनहरा, दानापुर, दीघा, बिदुपुर, गायघाट और पहलेजा घाट जैसे जल क्षेत्र शामिल हैं। ये जानकारी इंडियन इनलैंड वाटरवेज अथॉरिटी के डायरेक्टर अरविंद कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि केरल सरकार की मदद से केरल के कोच्चि शहर में लोगों के लिए सस्ती कीमत पर पानी से यात्रा करने की सुविधा उपलब्ध करा रही है। वॉटर मेट्रो की योजना है। वॉटर मेट्रो से चलाकर होगी, यही नहीं बिहार के अलावा उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी वॉटर मेट्रो की

शुरुआत होगी। इन राज्यों के कुछ शहर प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, गांधी नगर, श्रीनगर, जम्मू कश्मीर, बंगाल, गोवा, असम के दुबरी व गुवाहाटी, मंगलुरु, कर्नाटक, महाराष्ट्र के मुंबई व वसई, अंमन निकोबार, लक्षद्वीप भी शामिल हैं। गंगा के साथ ब्रह्मपुत्र नदी, डल झील, अंडमान और लक्षद्वीप में द्वीपों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। वॉटर मेट्रो के किराए को लेकर बताया गया है कि मेट्रो का किराया 20 से 40 रुपए रहेगा। ऐसे में वॉटर मेट्रो का किराया दिल्ली मेट्रो से कम रहेगा। दिल्ली मेट्रो का अधिकतम किराया 60 रुपए है, लेकिन वॉटर मेट्रो का अधिकतम किराया ही 40 रुपए होगा। इस वॉटर मेट्रो में 50 यात्री के बैठने की क्षमता होगा और उनके साथ 50 यात्री खड़े होकर सफर कर पाएंगे। यानी 100 यात्रियों के सफर करने की व्यवस्था यहां है।

## काम वकील नहीं करना चाहते,दोष हम पर आता है

- कोर्ट में लंबित मामलों पर बोले सीजेआई बीआर गवई

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते 14 मई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने वाले जस्टिस बी आर गवई ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों पर चिंता जताते हुए वकीलों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

सीजेआई गवई ने कहा है कि वकील छुट्टियों के दौरान काम नहीं करना चाहते हैं, लेकिन लंबित मामलों के लिए कोर्ट को दोषी ठहराया जाता है। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ उस समय भड़क गई, जब एक वकील ने याचिका को गर्मी की छुट्टियों के बाद सूचीबद्ध करने की अपील की। इस दौरान सीजेआई गवई ने कहा, पांच न्यायाधीश छुट्टियों के दौरान बैठ रहे हैं और काम करना जारी रख रहे हैं, फिर भी लंबित मामलों के लिए हमें दोषी ठहराया जाता है। अखिल में वकील ही छुट्टियों के दौरान काम नहीं करना चाहते हैं। गौरतलब है कि हाल ही में शीर्ष अदालत ने एक अधिसूचना जारी की है जिसके तहत जजों की पीठ आगामी ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान काम भी करेंगी। 26 मई से 13 जुलाई तक चलने वाली अवधि को पार्शियल कोर्ट वर्किंग डेज का नाम दिया गया है। इन आंशिक न्यायालय कार्य दिवसों के दौरान दो से पांच वेकेशन बेंच बैठेंगी। वहीं मुख्य न्यायधीश सहित सुप्रीम कोर्ट के शीर्ष पांच जज भी इस अवधि के दौरान अदालतें लगाएंगे।



सीजेआई गवई ने कहा है कि वकील छुट्टियों के दौरान काम नहीं करना चाहते हैं, लेकिन लंबित मामलों के लिए कोर्ट को दोषी ठहराया जाता है। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ उस समय भड़क गई, जब एक वकील ने याचिका को गर्मी की छुट्टियों के बाद सूचीबद्ध करने की अपील की। इस दौरान सीजेआई गवई ने कहा, पांच न्यायाधीश छुट्टियों के दौरान बैठ रहे हैं और काम करना जारी रख रहे हैं, फिर भी लंबित मामलों के लिए हमें दोषी ठहराया जाता है। अखिल में वकील ही छुट्टियों के दौरान काम नहीं करना चाहते हैं। गौरतलब है कि हाल ही में शीर्ष अदालत ने एक अधिसूचना जारी की है जिसके तहत जजों की पीठ आगामी ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान काम भी करेंगी। 26 मई से 13 जुलाई तक चलने वाली अवधि को पार्शियल कोर्ट वर्किंग डेज का नाम दिया गया है। इन आंशिक न्यायालय कार्य दिवसों के दौरान दो से पांच वेकेशन बेंच बैठेंगी। वहीं मुख्य न्यायधीश सहित सुप्रीम कोर्ट के शीर्ष पांच जज भी इस अवधि के दौरान अदालतें लगाएंगे।

## जिन लोगों ने कांग्रेस को दान दिए, वही हैं पीड़ित

- नेशनल हेराल्ड केस में ईडी की दलील, कहा-142 करोड़ कमाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को दिल्ली की राजज एवेन्यू कोर्ट में कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस गांधी और अन्य के दृष्टया धमामला ढ विशेष न्य रखीं। माग बारे में शु



भी कहा कि अपराध की आय थी। यह भी कहा गया कि अपराध की आय उत्पन्न करने के लिए आपराधिक गतिविधियों की गई।

ईमें सुनवाई का किया आग्रह 200 पत्रों के भारी भरकम दस्तावेजों के मददेनजर जुलाई में सुनवाई का आग्रह किया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने एसोसिएटेड जनरल लिमिटेड के शेयरों से संबंधित कुछ सवाल उठाए और पूछा कि क्या कंपनी के शेयरधारक इसकी संपत्तियों के मालिक हैं। ईडी के विशेष वकील ने इस आधार पर दलील दी कि कांग्रेस पार्टी के दानदाताओं के साथ धोखाधड़ी की गई। उन्होंने पार्टी को दान दिए लेकिन कांग्रेस पदाधिकारियों ने वाणिज्यिक गतिविधियों में लगी एक कंपनी को ऋण दे दिया।

## छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में 27 नक्सलियों का एनकाउंटर

- डेढ़ करोड़ का इनामी नक्सली ढेर, 20 शव और हथियार बरामद, 1 जवान शहीद

जगदलपुर (एजेंसी)। नारायणपुर जिले में अबूझमाड़ के जंगल में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को मार गिराया है। सभी 27 शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए नक्सलियों में 1.5 करोड़ का इनामी बसवा राजू भी शामिल है। वहीं फायरिंग में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) का एक जवान शहीद हो गया है। दंतवाड़ा, नारायणपुर और बीजापुर जिले की सरहद पर मुठभेड़ चल रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के बोटेर में नक्सलियों का पोलित ब्यूरो सदस्य और नक्सल संगठन का महासचिव बसवा राजू मौजूद है। इसी आधार पर फोर्स को रवाना किया गया था। अबूझमाड़



के बोटेर पहुंचते ही जवानों पर नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। सुरक्षाबलों के इस ऑपरेशन को प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने बड़ी कामयाबी बताया है। पुलिस ने 7 दिन पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर करंगुट्टा ऑपरेशन की जानकारी दी थी। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर स्थित करंगुट्टा के पहाड़ों पर सुरक्षाबलों ने 24 दिनों तक चले ऑपरेशन में 31 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें 16 महिला और 15 पुरुष नक्सली शामिल हैं। इस भीषण गोलीबारी में जवानों ने एक कुख्यात



माओवादी को भी मार गिराया है, जिसके ऊपर 1.5 करोड़ रुपये का इनाम था। इस माओवादी नेता का नाम बसवराजु था, जो 1970 के दशक से देश में चलाए गए माओवादी आंदोलन को सक्रिए बनाए हुए था। नक्सलियों के चीफ डेढ़ करोड़ का इनामी नक्सला केशव राव उर्फ बसवा राजू उर्फ गगना को डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवानों ने मार गिराया है। पुलिस फोर्स ने इसके करीब 30 नक्सलियों को मार गिराया है। जानकारी के मुताबिक एंटी नक्सल ऑपरेशन अभी भी जारी है।

## महाराष्ट्र सरकार ने सीजेआई गवई को परमानेंट स्टेट गेस्ट बनाया

- प्रोटोकॉल गाइडलाइन जारी की,चीफ जस्टिस को राज्य के चीफ सेक्रेटरी-डीजीपी ने रिसीव नहीं किया था

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने भारत के चीफ जस्टिस की यात्रा के दौरान राज्य में आधिकारिक शिष्टाचार का पालन तय करने के लिए प्रोटोकॉल गाइडलाइन्स जारी की हैं। मंगलवार देर शाम जारी गाइडलाइन्स के तहत, सीजेआई बीआर गवई को आधिकारिक तौर पर महाराष्ट्र में परमानेंट स्टेट गेस्ट का दर्जा दिया है। जस्टिस बीआर गवई 14 मई को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बनने के बाद 18 मई को पहली बार महाराष्ट्र गए थे। हालांकि, मुंबई में उन्हें स्टेट चीफ सेक्रेटरी,डीजीपी या मुंबई पुलिस कमिश्नर में से कोई भी रिसीव करने नहीं आए थे, जिसपर सीजेआई गवई ने नाराजगी जाहिर की थी। इस घटना के बाद महाराष्ट्र सरकार को काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी।



राज्य सरकार की ओर से सीजेआई गवई से फोन पर माफी मांगी है। स्टेट गेस्ट को एयरपोर्ट पर स्वागत-विदाई देने का नियम महाराष्ट्र स्टेट गेस्ट रूल्स, 2004 के अनुसार,

स्टेट गेस्ट के तौर पर नामित या माने जाने वाले किसी पदाधिकारी को राज्य प्रोटोकॉल सब-डिवीजन की तरफ से एयरपोर्ट पर स्वागत और गेस्ट के तौर पर नामित किए जाने के बाद सीजेआई सभी प्रोटोकॉल-संबंधी सुविधाओं के हकदार होंगे। उन्हें राज्य के किसी भी हिस्से में अपनी यात्रा के दौरान आवास, गाड़ी की व्यवस्था और सुरक्षा दी जाएगी। चीफ जस्टिस के मुंबई दौरे के दौरान चीफ सेक्रेटरी या उनके सीनियर प्रतिनिधि, डीजीपी या सीनियर प्रतिनिधि उनका स्वागत करेंगे। किसी जिले के दौरे पर वहां के जिला कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर या एसपी या उनके सीनियर अफसरों को सीजेआई का स्वागत करने का निर्देश दिया गया है। सीजेआई ने कहा था- महाराष्ट्र के अफसर प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते मुंबई में 18 मई को महाराष्ट्र-गोवा बार काउंसिल ने चीफ जस्टिस बीआर गवई का सम्मान समारोह रखा था।

## अमृतपाल सिंह पर तीसरी बार एनएसए, परिवार हाईकोर्ट जाएगा

- कहा-लोकप्रियता से राजनीतिक दल डर गए,अप्रैल 2023 से डिब्रूगढ़ जेल में बंद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तान समर्थक और खड्ग साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह पर तीसरी बार लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को अब हाईकोर्ट में चुनौती दी जाएगी। इसके लिए परिवार की ओर से तैयारियां कर ली गई हैं। परिवार का तर्क है कि साजिश के तहत अमृतपाल सिंह को जेल से बाहर नहीं आने दिया जा रहा है। अमृतपाल सिंह की बड़ती लोकप्रियता से सभी पार्टियां चिंतित हैं। उनके सभी साथियों से एनएसए हटा लिया गया है। इन सभी को पिछले महीने ही पंजाब लाया गया था। साथ ही अब उन पर कानूनी मामले भी चल रहे हैं। परिवार का कहना है कि एक बार आपने अमृतपाल को जेल में डाल दिया। अब जेल के अंदर बैठे व्यक्ति पर तरह-तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं।





### संक्षिप्त समाचार

## गांव के चौक-चौराहों पर भी मिलेगी बैंकिंग की सुविधा

■ समस्तीपुर में डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव बैंक छोटे बाजारों में खोल रही यूनिट, पैक्स में मिलेगा माइक्रो एटीएम



**समस्तीपुर, एजेंसी।** समस्तीपुर शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के चौक चौराहे भी अब विकसित हो रहे हैं। यहां मार्केटिंग के लिए अब जिला का कोऑपरेटिव बैंक अपनी छोटी शाखा खोलने जा रही है। जहां पर ग्रामीण इलाके के किसान के साथ ही आम लोग भी लेनदेन कर सकेंगे। इसके लिए जिले के सभी 381 पंचायत में स्थल का चयन किया जा रहा है। प्रथम चरण में 12 स्थान पर शाखा खोलने की स्वीकृति दी गई है। जिला कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक डिर्भाजिट मोबिलाइजेशन एजेंट के माध्यम से शाखा खोलने जा रही है। जिसमें मिल्क यूनियन की भी शामिल किया गया है। बैंक पैक्सों में माइक्रो एटीएम देने जा रही है। जिससे किसी भी बैंक के एटीएम कार्ड से निकासी की जा सकेगी। गांव के लोगों को अब किसी प्रकार की जमा, राशि निकालना और जमा करने के लिए शहर आने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

### लेनदेन की प्रक्रिया पर जिला

#### सहकारिता बैंक की नजर

पैक्स और मिल्क यूनियन अपने गांव के लोगों का खाता खोल सकेंगे। डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष ने बताया कि अब जिले के पैक्स और मिल्क यूनियन अपने-अपने पंचायत अंतर्गत गांव के लोगों का खाता खुला सकेंगे, जहां से वे लेनदेन कर सकेंगे। पूरी लेनदेन की प्रक्रिया पर जिला सहकारिता बैंक की नजर रहेगी। पैक्स और मिल्क यूनियन जिला सहकारी बैंक से लोन भी दिलवा सकेंगे।

#### इन जगहों पर खुलेंगे बैंक

डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष ने बताया कि प्रथम चरण में जिले के बेझाडीह, सराय रंजन पश्चिम, किशनपुर युसुफ गंगासरा, बिनामा तुला, सातनपुर , रायपुर बुजुर्ग, मोहम्मदपुर सकरा, जितवारपुर कुंभरा व शिवसिंहपुर और दिनमनपुर दक्षिणी में डिर्भाजिट मोबिलाइजेशन एजेंट के माध्यम से शाखा खोला जाएगा। इसके अलावा मिल्क यूनियन आधारपुर और सोंगर को भी यह सुविधा प्रदान की जाएगी।

## गया में करोड़ों की

## प्रतिबंधित दवाइयां

### बरामद

■ केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने की छापेमारी ■ 400 पैकेट नशीली दवाओं की खेप जळ

**गया, एजेंसी।** गया शहर में प्रतिबंधित नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ( सीएनबी ) ने कार्रवाई की है। कोतवाली थाना क्षेत्र के रंगबहादुर रोड और रामशिला मोड़ इलाके में सीएनबी की टीम ने छापेमारी की, जिसमें करीब 400 पैकेट नशीली दवाओं की खेप बरामद की गई। इन दवाओं की बाजार में कीमत करोड़ों रुपए में आंकी गई है। सूत्रों के मुताबिक, सीएनबी को इनपुट मिला था कि गया शहर में बड़े स्तर पर कोडीन सिरप और अन्य प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी की जा रही है। इस सूचना पर तुरंत एक्शन लेते हुए टीम ने कोतवाली थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग स्थानों पर एक साथ दबिश दी। कार्रवाई की कमान खुद केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के अधीक्षक ने संभाल रखी थी। सूत्रों का कहना है कि कार्रवाई को नारकोटिक्स डिपार्टमेंट के अधीक्षक विजय शंकर कर रहे थे।

# गेंदा की खेती में एक लाख लगाया,ढाई लाख की कमाई



**औरंगाबाद, एजेंसी।** औरंगाबाद के किसान संतोष मालाकार पिछले 15 सालों से गेंदा और अन्य फूलों की खेती कर रहे हैं। चिल्हकी गांव के किसानों से जमीन लीज पर लेकर उन्होंने पांच बीघा खेत में गेंदा फूल लगाया है। एक लाख 25 हजार रूपए लगाकर ढाई लाख की कमाई हो रही है। ये लोगों को रोजगार भी दे रहे हैं। खेत में दूर-दूर तक फैले पीले-नारंगी फूलों की खुशबू और सुंदरता लोगों को आकर्षित कर रही है। खेत

की खूबसूरती देख लोगों को ऐसा लगता है, जैसे कश्मीर की वादियों में आ गए हों। संतोष कुटुंबा प्रखंड अंतर्गत दधपा गांव के रहने वाले है। संतोष ने बताया कि उन्होंने कोलकाता से दो रुपए प्रति पौधे की दर से गेंदा के पौधे मंगाए हैं। एक हजार पौधों की कीमत 600 रुपए पड़ी। स्थानीय स्तर पर पौधे तैयार करने के लिए जरूरी संसाधन नहीं हैं। खेती के लिए उन्होंने चिल्हकी गांव के किसान महाराज पांडेय से 15 हजार रुपए

प्रति बीघा के हिसाब से पांच बीघा जमीन लीज पर ली है।

**अपनी दुकान से फूलों को बेत रहे :** संतोष ने खेत के पास अंबा-नबीनगर पथ पर एक दुकान भी खोल रखी है। यहीं से फूलों की बिक्री कर रहे हैं। अब लोग जानते हैं कि फूल यहीं मिलेंगे। गेंदा फूल की बिक्री 250 रुपए कोड़ी यानी 20 लरख या 60 रुपए प्रति किलो की दर से हो रही है। संतोष लग्न के दिनों में दूल्हे की गाड़ी, जयमाला और स्ट्रेज के सजावट का भी काम करता है। इसके लिए उसे पहले बंगाल से फूल मंगाना पड़ता था। फूल महंगा मिलने के कारण आमदनी कम होती थी। इससे परिवार चलाना मुश्किल होता था। वाराणसी में फूलों की खेती देखकर उन्हें आइडिया आया और इन्होंने अपने गांव में ही फूल की खेती करना

शुरू किया। अब खेतों से निकलने वाले फूलों से सजावट का काम करते है। इससे आमदनी भी अच्छी होती है और स्थानीय स्तर पर 15 से 20 मजदूरों को रोजगार भी दे रहे है। बाकी बचे फूलों को दूसरे बाजारों में बेच दिया जाता है।

**झारखंड-उत्तर प्रदेश में भी हो रही बिक्री :** संतोष के फूलों की मांग बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कई बाजारों में है। झारखंड के हरिहरगंज, डाल्टेनगंज, छतरपुर, जपला और बिहार के नबीनगर, अंबा, बारून, देव और औरंगाबाद में व्यापारी यहां से फूल खरीद कर ले जाते हैं। संतोष ने बताया कि एक बीघा खेत में फूल की खेती पर करीब 25 हजार रुपए खर्च आता है। इस बार मौसम अनुकूल रहने से अच्छी आमदनी की उम्मीद है। हालांकि,

उन्होंने कहा कि बिना सरकारी सहायता के गुलाब, मोगरा, गुलदावदी जैसे फूलों की खेती करना मुश्किल है। न पॉलीहाउस है, न समय पर आर्थिक मदद मिलती है।संतोष के साथ गांव के किशोरी मालाकार,राहुल मालाकार और सुनील मालाकार भी बड़े पैमाने पर फूलों की खेती कर रहे हैं।

सभी का कहना है कि सरकार औषधीय खेती को तो बढ़ावा देती है, लेकिन फूलों की खेती को नजरअंदाज कर रही है। यही कारण है कि गुलाब और अन्य फूल बाहर से मंगवाने पड़ते हैं। अब तक संतोष को उद्यान विभाग से कोई फायदा नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि अगर सरकार की ओर से समय पर पौधे, पॉलीहाउस और जैविक खाद मिलती तो गुलाब और अन्य फूलों की खेती भी संभव होती।

# मोदी ने अमेरिका के दबाव में पाकिस्तान से युद्ध रोका : कांग्रेस नेता शकील अहमद

## भारतीय सेना बदला लेने के लिए पूरी तरह थी तैयार



**दरभंगा, एजेंसी।** दरभंगा में पूर्व केन्द्रीय मंत्री व कांग्रेस नेता डॉ शकील अहमद देर शाम पहुंचे। डॉ इंतखाब आलम को उन्होंने मुबारकबाद दिया। डॉक्टरी के क्षेत्र में बढ़िया से काम करने, गरीब लोगों का ख्याल रखते हुए इलाज करने की सलाह दी। डॉ शकील अहमद ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक छोटी जंग थी। भारतीय सेना

पाकिस्तान से पूरा बदला लेने को तैयार थी। लेकिन अमेरिका के दबाव में पीएम मोदी ने युद्ध रोक दिया। यह फैसला गलत था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने खुद पांच बार कहा कि उन्होंने युद्ध रुकवाया।

यह शिमला समझौते का उल्लंघन है। शकील अहमद ने कहा कि शिमला समझौते में साफ लिखा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी विवाद में कोई तीसरा देश दखल

नहीं देगा। अमेरिका ने पंचायती की, भारत सरकार ने उसे मान लिया। इससे भारत को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने 1971 में तब तक युद्ध नहीं रोका जब तक पाकिस्तान ने घुटने नहीं टेक दिए। 95 हजार पाक सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया था। आज मोदी सरकार अमेरिका के दबाव में झुक गई।

### पर्यटकों को सरकार ने नहीं रोका

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान का समर्थन करते हुए शकील अहमद ने कहा कि अगर 17 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में खतरे की आशंका थी, तो पीएम मोदी वहां क्यों नहीं गए। अगर सरकार को जानकारी थी, तो पर्यटकों को क्यों नहीं रोका गया।

पहलगाम में रोजाना पांच हजार लोग आते हैं। वहां सुरक्षा क्यों नहीं थी। राहुल गांधी दरभंगा आए तो पूरी फोर्स तैनात कर दी गई। लेकिन कश्मीर जैसे संवेदनशील इलाके में लचर व्यवस्था क्यों रही। पहलगाम में एक जवान युवक की शादी के पांच दिन बाद ही मौत हो गई। डेढ़ घंटे तक कोई सुरक्षा बल नहीं पहुंचा। आतंकवादी बाहर से आए। बाँडर से करीब 100 किलोमीटर अंदर आकर हमला किया। 28 से ज्यादा लोगों को गोली मारी। फिर लौटकर चले गए। कोई पकड़ नहीं पाया। यह गंभीर चूक है।

# बीडीओ और अकाउंटेंट रिश्त लते रंगे हाथों गिरफ्तार

### रानीगंज में डेढ़ लाख लेते निगरानी विभाग ने पकड़ा, उपप्रमुख की शिकायत पर कार्रवाई



**अररिया, एजेंसी।** अररिया में भ्रष्टाचार के खिलाफ मंगलवार देर रात बड़ी कार्रवाई हुई। निगरानी विभाग ने छपा मारकर प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) रितम चौहान और उनके अकाउंटेंट

आदित्य प्रियदर्शी को गिरफ्तार किया। रानीगंज प्रखंड कार्यालय में दोनों को डेढ़ लाख रुपये की रिश्त लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। यह कार्रवाई विशेष निगरानी इकाई, पटना की 12 सदस्यीय टीम ने

रानीगंज पुलिस के सहयोग से की।

बीडीओ के सरकारी आवास पर छापेमारी के दौरान दोनों को रिश्त की रकम के साथ पकड़ा गया। सूत्रों के अनुसार, यह रकम किसी सरकारी कार्य की मंजूरी दिलाने के एवज में मांगी गई थी।

### उपप्रमुख की शिकायत पर हुई कार्रवाई

रिश्तखोरी की शिकायत रानीगंज के उपप्रमुख कलानंद सिंह ने दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि बीडीओ द्वारा डेढ़ लाख रुपये की मांग की गई थी। इस पर उन्होंने सोमवार को पटना पहुंचकर विशेष निगरानी इकाई से संपर्क किया। विभाग ने तत्परता दिखाते हुए मंगलवार रात करीब 10 बजे छापेमारी कर दी।

### दस्तावेजों की जांच जारी

निगरानी टीम बीडीओ के आवास और कार्यालय में तलाशी अभियान चला रही है। दस्तावेजों की जांच की जा रही है ताकि अन्य अनियमितताओं का भी खुलासा किया जा सके।

### स्थानीय प्रशासन में हड़कंप

इस कार्रवाई से पूरे प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है। स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग और तेज हो गई है। लोगों ने सरकार की कार्रवाई की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि ऐसे मामलों में और भी कठोर कदम उठाए जाएंगे।

# आरा में बदमाशों ने युवक का काटा गला, मिस्त्री ने बकाया 1100 रूपए के लिए हमला किया



**आरा (भोजपुर), एजेंसी।** भोजपुर में मंगलवार की देर शाम बकाए पैसे के विवाद को लेकर धारदार हथियार से एक

युवक का बदमाशों ने गला काट दिया। इसे खून से लथपथ जमीन पर छटपटाते देख इसकी सूचना ग्रामीणों ने परिजनों को

सूचना दी। परिजन ने जखमी युवक को इलाज के लिए अविआंव क्वाष्ट में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे आरा सदर अस्पताल रेफर किया गया।

हालांकि स्थिति को नाजुक देखते हुए आरा सदर अस्पताल से भी प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। मामला नारायणपुर थाना क्षेत्र के मड़नपुर गांव का है। युवक नारायणपुर थाना क्षेत्र के मदनपुर गांव निवासी स्व.ईश्वर दयाल सिंह का 34 साल का बेटा संभल यादव है। संभल यादव ने बताया कि आठ दिन पहले उसने अपने गांव के ही राजमिस्त्री ओम प्रकाश से अपने घर का एक कमरा बनवाया था। जिसका 11 सौ रुपया मजदूरी का बकाया

था। ओमप्रकाश ने उससे अपना 11 सौ बकाया रुपए की मांग की थी। उसने कहा कि मुझे पांच-छह दिन का वक्त दो मैं तुम्हें इंतजाम करके दे दूंगा।

**मारपीट के बाद काटा गला :** तभी राज मिस्त्री ने कहा था कि मुझे कल तक पैसा नहीं मिला तो मैं तुझे बता दूंगा। मंगलवार की जब देर शाम जब वह शौच करने के लिए बंधार में जा रहा था। तभी ओमप्रकाश ने उसे घेर लिया। पहले उसके साथ मारपीट की। उसे पटककर धारदार हथियार से उसके गले को काट दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके बाद उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया।



## बिहार के नौलखा मंदिर दान पेटी लूट में पुजारी का बेटा और भतीज अरेस्ट

### पैसे और हथियार भी मिले

**बिहार(शरीफ, एजेंसी।** राजगीर के श्वेतांबर धर्मशाला के कार्यालय से रविवार की रात लूटरो ने नौलखा मंदिर की 3 दान पेटी में रखे रुपये लूट लिये थे। विरोध करने पर नाईट गार्ड को धारदार हथियार के वार से जखमी कर दिया था। पुलिस ने इस मामले में मंदिर के मुख्य पुजारी का बेटा-भतीजा समेत 5 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है।

उनके पास से लूटे गये 8 लाख 5 हजार रुपये व घटना में इस्तेमाल किये गये हथियार भी बरामद किये हैं। मंगलवार को एसपी भारत सोनी ने प्रेस वार्ता कर पुलिसिया कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर के अंदर ही लूट की साजिश रची गयी थी। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस कार्रवाई में जुट गयी थी। जखमी गार्ड को इलाज के लिए पटना में भर्ती करवाया गया है।

उसकी हालत खतरे से बाहर बताया जाती है। विशेष जांच टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 5 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें मुख्य पुजारी का पुत्र पुरी गांव निवासी विनीत कुमार, भतीजा परमीत तिवारी, धर्मशाला का सहायक सुपरवाइजर उपाध्याय टोला निवासी बच्चन उपाध्याय, वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के अपसड़ गांव निवासी कन्हैया कुमार व हीरा कुमार शामिल है।

### पिस्तौल, 13 कारतूस और एक बाइक बरामद

एसपी भारत सोनी ने बताया कि पकड़े गए आरोपितों के पास से नगद रुपये के अलावा एक देसी पिस्तौल, 13 कारतूस, एक बाइक, 3 मोबाइल व एक चाकू भी बरामद किया गया है। आरोपितों ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। स्पीडी ट्रायल के माध्यम से उन्हें सजा दिलवाने का प्रयास किया जाएगा। छापेमारी टीम में डीएसपी सुनील कुमार सिंह, थानाध्वश रमण कुमार आदि शामिल थे।





















## पूजा सेरेमनी के साथ सूर्या46 का शुभारंभ

30 मई से शुरू होगी साउथ सिंघम स्टार की फिल्म की शूटिंग

सूर्या लगातार कई प्रोजेक्ट के साथ साउथ सिनेमा में आगे बढ़ रहे हैं। हाल ही में उनकी नई फिल्म रेड्रो सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाई नहीं कर पाई, लेकिन फिल्म में सूर्या के एक्टिंग के लिए इसकी सराहना की गई। इस फिल्म के बाद, सूर्या एक नए प्रोजेक्ट के साथ बड़े पर्दे पर आने वाले हैं। मेकर्स ने उनकी नई फिल्म का आधिकारिक तौर पर एलान किया है। सूर्या 45 के टाइटल को लेकर काफी चर्चा हो रही है। अफवाहों से पता चला है कि फिल्म का नाम वेट्टाई करुप्पु हो सकता है। हालांकि मेकर्स ने अभी तक इस पर मुहर नहीं लगाया है। अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। इन अफवाहों के बीच सूर्या के नए प्रोजेक्ट का एलान हुआ है। सितारा एंटरटेनमेंट ने पूजा सेरेमनी के साथ नए प्रोजेक्ट का आधिकारिक तौर पर एलान किया। मेकर्स ने इस प्रोजेक्ट का अस्थायी नाम सूर्या46 रखा है। यह पूजा सेरेमनी हैदराबाद में आयोजित किया गया, जिसमें निर्देशक त्रिविक्रम, जिन्होंने अला वैकुण्ठपुरमुलु और गुंदूर करम जैसी फिल्मों

का निर्देशन किया है, ने भी भाग लिया। मेकर्स ने पूजा सेरेमनी से कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, बहुप्रतीक्षित सूर्या46 को भव्य पूजा समारोह के साथ आधिकारिक तौर पर लॉन्च कर दिया गया है। सूर्या वैकी एटलूरी स्क्रीन पर जादू बिखेरने के लिए एक साथ आए हैं। इस यात्रा की शुरुआत को पहली ताली बजाने और उसे सुशोभित करने के लिए त्रिविक्रम गाऊ का धन्यवाद। शूटिंग मई के अंत में शुरू होगी। इसे 2026 की गर्मियों में सिनेमाघरों में देखें। पिछले कार्यक्रम में फिल्म के बारे में बात करते हुए सूर्या ने कहा था, यह मेरी अगली फिल्म होगी। आप में से कई लोग इसका इंतजार कर रहे होंगे। मेरी अगली तमिल फिल्म वैकी के साथ है और मैं खूबसूरत हैदराबाद में काफी समय बिताऊंगा। शूटिंग मई से शुरू होगी। वैकी एटलूरी ने पहले धनुष की वाथी और दुलकर सलमान की लकी बास्कर का निर्देशन किया। सूर्या 46 की कास्टिंग में उभरती हुई सनसनी ममिता बैजू को मुख्य महिला कलाकार के रूप में शामिल किया गया है। फिल्म में बॉलीवुड स्टार रवीना टंडन और राधिका सरथकुमार प्रमुख भूमिकाएं निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग 30 मई से शुरू होने वाली है।

# सारा तेंदुलकर और सिद्धांत चतुर्वेदी का हुआ ब्रेकअप

कुछ दिन पहले ही शुरू हुआ था रिश्ता, एक-दूसरे के परिवार से भी कर ली थी मुलाकात

बॉलीवुड एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी और मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर के रिश्ते को लेकर पिछले दो हफ्तों से चर्चा जोरों पर थी। खबरें थीं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन अब जो खबर सामने आई है कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, सारा और सिद्धांत का ब्रेकअप हो गया है। दोनों का रिश्ता बहुत कम समय तक चला। एक सूत्र ने बताया, “हाल ही में दोनों ने एक-दूसरे से अलग होने का फैसला किया। ये पहल सिद्धांत की ओर से हुई। ऐसा तब हुआ जब दोनों ने एक-दूसरे के परिवारों से मुलाकात की।” सूत्रों की मानें तो दोनों ने कुछ दिनों पहले ही शुरू हुआ था, लेकिन जब चीजें आगे बढ़ीं, तो बहुत कुछ ठीक नहीं बैठ। हालांकि, इस रिश्ते के टूटने की असली वजह क्या है, इसका खुलासा नहीं हो पाया है।

**सारा का नाम शुभमन से जुड़ा था-** गौरतलब है कि इससे पहले सारा तेंदुलकर का नाम अक्सर क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ जुड़ा रहा है, लेकिन हाल ही में शुभमन ने खुद इन अफवाहों पर विराम लगाते हुए कहा कि वो इस वक़्त पूरी तरह अपने



करियर पर फोकस कर रहे हैं और किसी को डेट नहीं कर रहे।

**सिद्धांत का नाम नव्या से भी जुड़ा था-** वहीं, सिद्धांत का नाम भी इससे पहले अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा के साथ जुड़ चुका है। दोनों पिछले साल अलग हो गए थे। सिद्धांत से जब इस खबर पर प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई, तो उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला।

**सिद्धांत के पहले भी दो रिश्ते टूट चुके हैं-** कुछ वक़्त पहले एक इंटरव्यू में सिद्धांत ने रिश्तों को लेकर अपनी सोच शेयर की थी। उन्होंने कहा था, “रिश्ते मेरे लिए अब तक लेन-देन वाले नहीं रहे हैं। मैं जब भी किसी रिश्ते में होता हूँ, खुद को पूरी तरह झोंक देता हूँ। कभी-कभी इतना कि खुद ही रेड फ्लैग बन जाता हूँ।” उन्होंने अपने पुराने रिश्तों के बारे में भी खुलकर बात की थी। सिद्धांत ने बताया था, “पहला रिश्ता तब शुरू हुआ था जब मैं 19 साल का था। उस वक़्त मैं CA की पढ़ाई कर रहा था और बहुत प्यार में था। हमने तीन साल डेट किया और शादी के सपने देखे, लेकिन जब मैंने एक्टिंग को करियर के तौर पर चुना, तो वो लड़की उस बदलाव को स्वीकार नहीं कर पाई। वो जल्द शादी चाहती थी, मैं उस वक़्त तैयार नहीं था। मैंने करियर चुना और वादा किया कि एक दिन वो फैसला सही साबित करूंगा। अब वो शादीशुदा और खुश है, और मैं भी अपनी जगह खुश हूँ।” सिद्धांत ने आगे कहा, “दूसरा रिश्ता ‘गली बॉय’ की शूटिंग के दौरान शुरू हुआ। तब मेरी मानसिक

स्थिति थोड़ी डगमगाई हुई थी। फिल्म के रिलीज के बाद जिंदगी अचानक बहुत बदल गई थी। मेरी पार्टनर उस बदलाव के साथ तालमेल नहीं बिठा सकी। धीरे-धीरे सब कुछ ख़त्म हो गया।”



## जूनियर एनटीआर के फैंस को मिला तोहफा, ‘वॉर-2’ का टीज़र रिलीज



निश्चित ही यादगार बन गया है। ‘वॉर-2’ के टीज़र में जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन का जबरदस्त एक्शन अवतार देखने को मिला है। दोनों स्टार्स आमने-सामने टकराते नजर आ रहे हैं, जिससे फिल्म का रोमांच और भी बढ़ गया है। यह धमाकेदार एक्शन फिल्म स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर यानी 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस बार एनटीआर एक बिल्कुल नए और दमदार लुक में नजर आएंगे, वहीं ऋतिक एक बार फिर मेजर कबीर की भूमिका में वापसी कर रहे हैं। उनके साथ फिल्म में कियारा आडवाणी की जोड़ी दिखाई देगी, जिनकी एक झलक टीज़र में भी नजर आती है।

सुपरस्टार जूनियर एनटीआर 20 मई को अपना 41वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास अवसर पर उनके फैंस को एक बड़ा तोहफा मिला है। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘वॉर-2’ का धमाकेदार टीज़र रिलीज कर दिया गया है। यह फिल्म कई मायनों में खास है, क्योंकि इसके जरिए जूनियर एनटीआर बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म में उनके साथ सुपरस्टार ऋतिक रोशन भी नजर आएंगे, जिससे यह जोड़ी दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक साबित होने वाली है। ‘वॉर-2’ का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं, जो इससे पहले ‘ब्रह्मास्त्र’ जैसी विजुअली गैड फिल्म दे चुके हैं। एनटीआर के फैंस के लिए यह जन्मदिन

## राशा ने अपने टैलेंट और ग्रेस से खींचा सबका ध्यान

बालीवुड की ‘मस्त मस्त गर्ल’ यानि की एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अब फिल्मी दुनिया में अपना जलवा बिखेर रही हैं। जहां रवीना ने अपने दौर में एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्मों दीं, वहीं उनकी बेटी राशा ने हाल ही में अपने टैलेंट और ग्रेस से सबका ध्यान खींच लिया है। राशा ने 2025 में अजय देवगन की फिल्म ‘आजाद’ से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। हालांकि फिल्म को खास सफलता नहीं मिली, लेकिन राशा की स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वास ने लोगों को प्रभावित किया। लेकिन जो बात वाकई में सबका दिल जीत ले गई, वो थी उनका डांस परफॉर्मेंस, जिससे उन्हें रातों-रात सुर्खियों में ला दिया। एक अवार्ड कार्यक्रम में राशा ने मंच पर अपनी मां रवीना टंडन के आइकॉनिक गाने टिप टिप बरसा पानी पर ऐसा डांस किया कि दर्शक



तालियों की गूंज में झूम उठे। पीले रंग की ड्रेस में राशा स्टेज पर उतरीं और उनके हर मूव ने मां की याद ताजा कर दी। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर कमेंट करते हुए लिखा कि राशा अपने अंदाज से इंडस्ट्री में लंबा सफर तय करेंगी। सिर्फ टिप टिप बरसा पानी ही नहीं, राशा ने माधुरी दीक्षित के फेमस गाने एक दो तीन पर भी परफॉर्म किया और अपनी एनर्जी और एक्सप्रेसंस से सबको हैरान कर दिया। राशा थडानी सिर्फ परफॉर्मेंस ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी खूब छाई हुई हैं। इंस्टाग्राम पर उनके तीन मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं और उन्होंने हाल ही में अपने डांस वीडियो को इंस्टा स्टोरी पर शेयर भी किया, जिसे उनके फैंस ने खूब सराहा। बताया जा रहा है कि राशा जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ एक फिल्म में नजर आ सकती हैं। वहीं अवॉर्ड फंक्शन में उन्होंने अपनी मां की पुरानी साड़ी पहनकर एक इमोशनल ट्रिब्यूट भी दिया, जो मां-बेटी के रिश्ते को और खास बना गया।

## भारत का अपमान करने वालों का विरोध होना ही चाहिए: मंजरी फडनिस

बालीवुड फिल्म ‘जय हो’ और ‘गैंग मस्ती’ में नजर आ चुकीं अभिनेत्री और सिंगर मंजरी फडनिस ने भी अब तुर्किये के बायकोट की मांग करते हुए देश के साथ अपनी निष्ठा जाहिर की है। हाल ही में मंजरी ने साफ शब्दों में कहा कि उनके लिए देश सबसे पहले आता है और वह कभी भी किसी ऐसे देश या व्यक्ति का समर्थन नहीं कर सकतीं जो भारत का विरोध करता हो या उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाता हो। मंजरी फडनिस ने कहा कि उनके घर में हमेशा से देशभक्ति का माहौल रहा है क्योंकि वह एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता सेना में सेवा दे चुके हैं और उन्होंने अपना बचपन सेना के वातावरण में बिताया है। मंजरी ने बताया कि उन्होंने खुद देखा है कि भारतीय सेना किस तरह समर्पण और अनुशासन के साथ देश की सेवा करती है। इस अनुभव ने उन्हें भारत के प्रति गहरा लगाव और सम्मान सिखाया है, जिसे वह कभी नजरअंदाज नहीं कर सकतीं। जब उनसे पूछा गया

कि क्या तुर्किये और अजरबैजान जैसे देशों का आर्थिक और पर्यटन के स्तर पर बहिष्कार होना चाहिए, तो उन्होंने इसका समर्थन करते हुए कहा कि भारत का अपमान करने वालों का विरोध होना ही चाहिए। मंजरी ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट न करने का यह मतलब नहीं है कि किसी के दिल में देशभक्ति नहीं है। देश के लिए भावनाएं सिर्फ दिखावे की चीज नहीं हैं, यह अंदर से महसूस की जाती हैं। उन्होंने भारतीय सेना द्वारा हाल ही में किए गए ‘ऑपरेशन सिंदूर’ पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि जिस तरह से पूरा देश एकजुट होकर खड़ा हुआ, वह हमारे राष्ट्र की एकता और ताकत की दर्शाता है। मंजरी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कई भारतीय सितारे ‘तुर्किये बायकोट’ के समर्थन में सामने आ रहे हैं और देशहित को सबसे ऊपर रखने की बात कह रहे हैं। बता दें कि भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच तुर्किये और अजरबैजान जैसे देशों द्वारा पाकिस्तान का समर्थन करना देशवासियों को नागवार गुजर रहा है। आम जनता के साथ-साथ अब फिल्म और टीवी जगत के सितारे भी खुलकर विरोध जता रहे हैं।



## सिनेमाघरों के बाद ओटीटी में रिलीज होगी नानी की हिट 3, 5 जून को नेटफ्लिक्स पर सभी भाषाओं में होगी स्ट्रीम

नानी की हिट 3 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और पहले वीकेंड के बाद उम्मीदों पर खरी नहीं उतरने के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। फिल्म ने तेलुगु में 100 करोड़ से अधिक की कमाई और 50 करोड़ की हिस्सेदारी हासिल की, जिससे यह निर्माताओं के लिए लाभदायक उद्यम बन गया। हालांकि, यह अन्य भाषाओं में निराश करने वाली रही और अच्छी संख्या लाने में विफल रही। तेलुगु में फिल्म की सफलता का श्रेय नानी के मजबूत प्रशंसक आधार और फिल्म की आकर्षक कहानी को दिया जा सकता है।



फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन में पहले सप्ताहांत के बाद कलेक्शन में

गिरावट देखी गई, जिसका मुख्य कारण पारिवारिक दर्शक अपेक्षित

की मनोरंजक कहानी और नानी के दमदार अभिनय का आनंद लेने

की उम्मीद कर सकते हैं। ओटीटी रिलीज ने प्रशंसकों के बीच काफी दिलचस्पी पैदा की है, और यह देखना दिलचस्प होगा कि ओटीटी दर्शकों द्वारा फिल्म को किस तरह से लिया जाता है। फिल्म की ओटीटी स्ट्रीमिंग दर्शकों के एक नए समूह को आकर्षित करेगी, और प्लेटफॉर्म पर इसकी सफलता कई कारकों पर निर्भर करेगी, जिसमें वर्ड-ऑफ-माउथ और समीक्षाएँ शामिल हैं। अपनी आकर्षक कहानी और दमदार अभिनय के साथ, हिट 3 में ओटीटी पर अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है, जो इसे नानी और तेलुगु सिनेमा के प्रशंसकों के लिए जरूर देखने लायक बनाती है।



# Still Left Behind: The Silent Struggles of Motihari’s First-Gen Learners

In Motihari, where Gandhi’s first satyagraha was born, does simply building more colleges translate into true educational equality? Or does real access begin only when a student feels seen, supported, and safe inside and outside the classroom? Motihari, the land of Gandhi’s first satyagraha, once stood for justice in the indigo fields. Today, another quiet movement is unfolding in its classrooms. This time, the spirit quietly lives on not in fields but in classrooms to learn, grow, and belong. Hundreds of first-generation college students from poor rural families are fighting their own battle and trying to break the cycle of exclusion through education. Yet the road they walk is steep, uneven, and often lonely. These students are often the first in their families to complete school. Their parents are farmers, daily wage labourers, or migrant workers. Entering a degree colleges and university is a milestone

but one that comes without the social capital others may inherit. Unlike students from educated or urban families, they lack informal networks, mentorship, or guidance in navigating the formalities of campus life. What they carry instead are burdens of survival, expectation, and cultural disconnect. For young men, the pressure to succeed is tied to financial responsibilities. They are expected to study and also find a job quickly. Many juggle classes with part-time work or preparation for government exams, trying to support their families while pursuing unstable dreams. Their struggle is rarely spoken of in public or acknowledged in institutions. They enter academic institutions carrying not just books but the weight of expectation and the reality of disadvantage. For young women, the road is even harder. In many homes, girls are allowed to study only under strict conditions no hostels, no city travel, and no

demands for independence. Even those who make it to college walk a tightrope, balancing academic ambition with domestic duties, safety concerns, and the ever-present threat of early marriage. Their lives are defined not by opportunity, but by what’s permitted. This gendered burden is not an exception it is the rule, reinforced by both patriarchy and poverty. These challenges become even more complex when caste identity intersect with class and gender. Dalit students, in particular, often experience subtle exclusion, language barriers, and low expectations from their peers and teachers. They bear what sociologists call intersectional inequality where multiple forms of discrimination compound each other. Yet both groups boys and girls suffer from a lack of support. Most degree colleges in Motihari lack proper infrastructure like hostels, counseling services, transport facilities, and academic

mentoring for students who struggle. Digital infrastructure is weak, scholarship processes are opaque, and there’s little recognition of the emotional and cultural labour these students put in just to stay enrolled. We also need to rethink what we mean by “merit.” The current system rewards students who arrive with cultural capital fluent in English, confident in formal settings, backed by educated families. But what about the girl who studies under a lantern in a village or the boy who used to come from 10 kilometres by bicycle to college every day? Their determination is also merit but it remains invisible in a system shaped by privilege. In the name of progress, we sometimes forget the basics. Good education is not just about fancy courses or degrees. It is about ensuring that a student from a village in Areraj, Chiraiya or Dhaka feels just as confident walking into a university class as someone from a most celebrated schools of the city



Amit Vikram

like DAV. It is about dignity, not just degrees. This reflects what Pierre Bourdieu called cultural reproduction the idea that educational institutions, instead of breaking inequality, often reproduce it by favouring those already positioned to succeed. And so, even in Motihari, education remains formally open but structurally unequal. Real change requires more than slogans.

**It demands a structural response:** safe and affordable hostels, transportation for rural students, accessible mental health support, and simplified access to scholarships. More importantly, teachers and administrators must be trained to

understand the lived experiences of first-generation learners not with pity, but with respect. We must also shift the narrative. Not every victory is marked by a gold medal. Often, resistance lies in the quiet act of persistence in showing up, in continuing, in not giving up. These students are not just struggling for degrees; they are struggling for dignity. Motihari once gave birth to India’s civil disobedience movement. Today, that legacy continues not in protests but in patience, not in loud slogans but in silent courage. The new satyagrahis are not just fighting landlords they are resisting the weight of caste, class, and gendered inequality in classrooms. They are siiting in the field with groups and carrying the uncertain burden of their family. If we truly wish to honour Gandhi’s vision, we must recognise first-generation students not as beneficiaries of development, but as the agents of a more equal future. They don’t ask for sympathy. They ask for fair conditions. And in their fight to learn, lies our best hope for justice.

**Author is a research scholar of Mahatma Gandhi Central University, Motihari**

## overnment that funds the terrorists: Sanjay Jha

**New Delhi.** The first delegation will leave for Japan today under India’s global anti-terrorism campaign against Pakistan. JDU MP Sanjay Jha, who is leading this delegation, spoke exclusively to news agency IANS. He thanked Prime Minister Modi for this delegation. JDU MP Sanjay Jha, while talking to IANS, said, there are two things. First, the country has been facing terrorism for decades. This terrorism has always come from across the border from Pakistan. This is not a hidden thing. In the past, whether it was the 2008 Mumbai attack or the Pulwama attack, India always shared all the information. We said, come, join the investigation. But, if we share data with the thief,



can we expect justice from him? The government there itself funds the terrorists, trains them through the army, makes plans and executes them. He said, this is like a proxy war against India. Now India has clearly said in Operation Sindoor that enough is enough. Nine terrorist camps were completely destroyed by our

Air Force personnel. The pictures that are coming out have all the information. Sanjay Jha said, we thank the Prime Minister that he is sending seven delegations. You must have seen that since ‘Operation Sindoor’ has happened, the people of the whole country have stood united with the government and the army. People of all parties are also together on this issue. Representatives of all parties are included in these seven delegations. When we go abroad, we go not as representatives of a party but as representatives of India. One of the purposes of sending the delegation abroad is that the whole country is united on this issue and politics should not be done on it.

## Patriotism comes from blood, not from filling papers or forms, Manjinder Sirsa attacks Rahul Gandhi

**New Delhi,** Delhi government minister Manjinder Singh Sirsa targeted the Leader of Opposition and Congress MP Rahul Gandhi in Lok Sabha for raising questions about ‘Operation Sindoor’. He took a jibe at Rahul Gandhi and said that patriotism comes from blood, not from filling papers or forms. Rahul Gandhi takes donations from China and speaks the language of Pakistan, yet he calls himself an Indian. Delhi minister Manjinder Singh Sirsa said that Rahul Gandhi can never be from our country. Rahul Gandhi’s mother Sonia Gandhi is not from this country. Patriotism comes from blood, not from



filling papers or forms. If patriotism came from filling forms, then there would be patriotism in Rohingya and Bangladesh too. We can even give our lives for the country. Rahul Gandhi does not have this passion. Rahul Gandhi takes donations from China, opens his office in Turkey and speaks the language of Pakistan. He roams around



with his papers and passport from England. Yet he calls himself an Indian, such people cannot have patriotism. On Congress President Mallikarjun Kharge’s statement about sporadic war regarding ‘Operation Sindoor’, Manjinder Singh Sirsa said that send him to the border once. Then he will know what ‘sporadic’

means. Sirsa also retaliated on People’s Democratic Party President and former Jammu and Kashmir Chief Minister Mehbooba Mufti’s statement that ‘what benefit did we get’ from Operation Sindoor. Sirsa surrounded Mehbooba Mufti and said that she was not supposed to get anything. Those whom Mehbooba Mufti is worrying about are not going to survive, those who have survived are also going to perish, don’t worry about them, worry about this country which gives you food. Worry about this country, which has given you rule, those whom she is worshipping to save, no one will be able to save them now. Regarding the Tiranga Yatra,

Manjinder Singh Sirsa said, I am very happy today, the Sikh community has come out on the streets of Delhi with the tricolor flag to praise the valor of our three armies. We want to tell the army soldiers who have penetrated 100 km inside Pakistan and destroyed the enemies. We salute their valour and bravery. I want to tell the army soldiers that we bow our heads at the feet of their mother and pay our respects to them. After the success of ‘Operation Sindoor’, Tiranga Yatra is being taken out in the country in honour of the Indian Army. In this sequence, Tiranga Yatra was taken out by the Sikh community in the capital Delhi on Wednesday,

village of Warisliganj police station area. Eight lakh five thousand rupees looted from the donation box, a country-made pistol, the motorcycle used in the incident, a blood-soaked knife and mobile phone have been seized from them. He said that during interrogation these people have accepted the crime. Efforts will be made to get the accused punished through speedy trial. It is noteworthy that on the late night of May 19, the robbers looted the money kept in three donation boxes of Naulakha temple from the office of Shwetambar Dharamshala of Rajgir. On resisting, the night guard was injured with a sharp weapon.



with the help of technology, the police got clues within a few hours of the incident. Nalanda Superintendent of Police Bharat Soni said on Wednesday that the robbery was planned inside the temple premises itself. He said that the Special Investigation Team has taken immediate action and

arrested five miscreants. These include the chief priest’s nephew Vineet Kumar, resident of Puri village, nephew Parmeet Tiwari, assistant supervisor of the Dharamshala Bachchan Upadhyay, resident of Upadhyay Tola, Kanhaiya Kumar and Hecra Kumar, residents of Apasadh

## Biggest action against Naxalites in Chhattisgarh: 26 Naxalites killed in Abujhmad, Raju, who had a reward of one crore, also killed

**Raipur:** The decisive battle against Naxalism in the dense forests of Chhattisgarh has taken a major turn. 26 Naxalites have been killed in an encounter between security forces and Naxalites in Abujhmad area of Narayanpur district. One soldier was martyred in this fierce encounter, while another was injured, whose condition is said to be stable. This encounter was not a normal operation, but it is considered to be one of the biggest anti-Naxal operations in the history of Chhattisgarh. The operation has been going on continuously for more than 50 hours. The brave soldiers of DRG carried out a joint operation in the dense forests bordering Bijapur, Dantewada, Narayanpur and Kondagaon districts. According to sources, the top commanders of the Naxalites were surrounded in the deep forests of Abujhmad. As soon as the security forces tightened the cordon, the encounter intensified and ultimately 26 Naxalites were killed. Many top level commanders are included among the killed Naxalites. Naxal leader ‘Raju’, who had a reward of Rs one crore, was also killed. The biggest success of this operation was that the security forces also killed Naxal commander ‘Raju’, who had a reward of Rs one crore on his head. Raju was the mastermind of Naxal activities in the



Bastar region of Chhattisgarh. He had conspired for many attacks and was responsible for the martyrdom of dozens of security forces. State Home Minister Vijay Sharma gave information Chhattisgarh Home Minister Vijay Sharma, confirming the encounter, said, this operation is a living example of the bravery and strategic skills of the security forces. Another big success has been achieved against the Naxalites due to the strength of the arms of the soldiers. The search operation is still going on, and the death toll may increase further. He also informed that one soldier has been injured who is out of danger, while a

colleague has attained martyrdom. Decisive front against Naxalism The Chhattisgarh government has made it clear that the resolve to make the state Naxal-free has now reached a decisive turn. Search operations are being conducted continuously in districts like Narayanpur, Bijapur, Dantewada and Kondagaon. The security forces are also getting full support from the local people in these areas, who now want to come out of violence and fear. Abujhmad: Abujhmad has been a stronghold of Naxalites for a long time, it is an area which is geographically inaccessible and has been one of the most sensitive Naxal areas of the state. This area remained a challenge for the security forces for a long time, but now the grip of the Naxalites seems to be loosening here. The state police and central forces say that this operation is not over yet. Dead bodies are still being recovered from the encounter site, and some Naxalites have fled in an injured state in the forests and are being searched for. This action is not just a big military victory against the Naxalites, but it is a new ray of hope for thousands of villages in Chhattisgarh that were living in the shadow of bloodshed and fear for decades. This encounter is a message—now the voice of development, not guns, will reverberate in the solitude of the forests.

## Horrifying: Mother of two girls was murdered and her body was buried in the sand, revealed after eight days, husband absconding

**Latehar,** In Garu police station area under Latehar district of Jharkhand, 26-year-old Reshma Kumari, mother of two girls, was murdered and her body was buried in the sand on the river bank. This murder case was revealed eight days after the incident. The deceased’s father has lodged an FIR of murder against Reshma’s husband, mother-in-law, father-in-law, brother-in-law, sister-in-law and sister-in-law. It has been said in the FIR that the in-laws were angry because she gave birth to two girls. It has been alleged that Reshma’s husband has an illicit relationship with another woman. The accused has absconded as soon as the incident was revealed. The police is interrogating other members of the family. It was told that on May 16, the police of Garu police station area recovered the body of a woman buried in sand on the banks of Koel river near Luhurtand village. Later she was identified as Reshma Kumari, who was missing since May 12. Reshma’s father Saryu Prasad, a resident of Daltonganj, has told in



the FIR that he had married his daughter to Mukesh Kumar, a resident of Sukri in Latehar, in the year 2016. He is a computer operator in Garu block office. Her husband and in-laws used to harass her since the birth of two girls. In the year 2017, her brother-in-law also beat her up, for which an FIR was lodged in the police station. Dowry was being demanded from her. Meanwhile, her husband had developed a relationship with another woman. Troubled by this, she had come to Daltonganj with both the daughters. On May 12, Reshma’s husband Mukesh had come to Daltonganj to take both the daughters. From the same day, Reshma also went missing. Her mobile was also switched off.

## ED’s big action in Ranya Rao gold smuggling case, raid on Karnataka Home Minister’s hospital

**New Delhi,** In the gold smuggling and money laundering case related to Kannada film actress Ranya Rao, the Enforcement Directorate (ED) has taken major action and raided the hospital and Siddharth Medical College associated with Karnataka Home Minister G Parameshwar. ED’s investigation has revealed information about suspicious financial transactions between Ranya Rao and the medical college related to Home Minister Parameshwar. ED is currently investigating the financial records of the hospital in depth. Given the seriousness of the case, many other links are also being investigated. Recently, the main accused Ranya Rao and co-accused Tarun Kondaru Raju in this high-profile gold smuggling case were granted bail by the Special Economic Offences Court.



Justice Vishwanath C. Goudar said in the order that both the accused cannot leave the country and cannot commit such a crime again. If they violate these conditions, the bail can be cancelled immediately. However, despite getting relief from the court, Ranya Rao has not yet been released. In fact, a case is also registered against her under the Conservation of

Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act (CFIAA). Unless she gets bail under this law, she will not be able to come out of jail. It is worth noting that the Directorate of Revenue Intelligence has not been able to file a charge sheet against her in the court so far, which has made the matter more complicated. It is being told that Ranya Rao was associated with an international gang of gold smuggling, and through this network, the work of legalizing black money (money laundering) was also done. The link of this entire black business has started reaching the institutions associated with Home Minister Parameshwara, which has also created panic in political circles. ED’s action may intensify further, and many big names are likely to be revealed in the coming days.